



::आयुक्त (अपील-III) का कार्यालय, केंद्रीय उत्पाद शुल्क::
O/O THE COMMISSIONER (APPEALS-III), CENTRAL EXCISE,
द्वितीय तल, केंद्रीय उत्पाद शुल्क भवन / 2nd Floor, Central Excise Bhavan,
रेस कोर्स रिंग रोड, / Race Course Ring Road,
राजकोट / Rajkot - 360001



Tele Fax No : 0281 - 2477952/2441142 Email : eesappealsrajkot@gmail.com

56

रजिस्टर्ड डाक ए. डी. द्वारा :-

क	अपील / फाइल संख्या / Appeal / File No.	मूल आदेश नं / O.I.O. No.	दिनांक / Date
	V2/140/RAJ/2016	55/ADC/PV/2015-16	31.03.2016

ख अपील आदेश संख्या (Order-In-Appeal No.):

RAJ-EXCUS-000-APP-002-2017-18

आदेश का दिनांक / 25.04.2017 जारी करने की तारीख / 26.04.2017
Date of Order: Date of issue:

श्री उमा शंकर, आयुक्त (अपील-III) द्वारा पारित /
Passed by Shri Uma Shanker, Commissioner (Appeals-III)

ग अथवा आयुक्त/सहायक आयुक्त/उप-आयुक्त/सहायक आयुक्त, केंद्रीय उत्पाद शुल्क/सेवाकर, राजकोट / जामनगर / गान्धिधाम द्वारा उपरलिखित जारी मूल आदेश से सृजित /

Arising out of above mentioned OIO issued by Additional/Joint/Deputy/Assistant Commissioner, Central Excise / Service Tax, Rajkot / Jamnagar / Gandhidham

घ **अपीलकर्ता & प्रतिवादी का नाम एवं पता / Name & Address of the Appellant & Respondent :-**

M/s. Jetking Ceramics P Ltd., Morbi-Halwad Road, Near Captain Cement, At : Ghuntu, Morbi,

इस आदेश(अपील) से व्यभिक्त कोई व्यक्ति निम्नलिखित तरीके से उपयुक्त प्राधिकारी / प्राधिकरण के समक्ष अपील दायर कर सकता है।
Any person aggrieved by this Order-in-Appeal may file an appeal to the appropriate authority in the following way

(A) सीमा शुल्क, केंद्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण के प्रति अपील, केंद्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 की धारा 35B के अंतर्गत एवं वित्त अधिनियम, 1994 की धारा 86 के अंतर्गत निम्नलिखित जगह की जा सकती है।
Appeal to Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal under Section 35B of CEA, 1944 / Under Section 86 of the Finance Act, 1994 an appeal lies to:-

(i) वर्गीकरण मुल्यांकन से सम्बन्धित सभी मामलों सीमा शुल्क, केंद्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण की विशेष पीठ, वेस्ट ब्लॉक नं 2, आर. के. पुरम, नई दिल्ली, को की जाती चाहिए।
The special bench of Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal of West Block No. 2, R.K. Puram, New Delhi in all matters relating to classification and valuation.

(ii) उपरोक्त परिच्छेद 1(a) में बतौर गए अपील के अलावा सेवा कर अपील सीमा शुल्क, केंद्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण (सिस्टेट) की पश्चिम क्षेत्रीय पीठिका, 30-20, न्यू मेंटल हॉस्पिटल कंपाउंड, मेघनी नगर, अहमदाबाद-380016, को की जाती चाहिए।
To the West regional bench of Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal (CESTAT) at O-20, New Mental Hospital Compound, Meghani Nagar, Ahmedabad: 380016, in case of appeals other than as mentioned in para- 1(a) above.

(iii) अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष अपील प्रस्तुत करने के लिए केंद्रीय उत्पाद शुल्क (अपील) नियमसूची, 2001, के नियम 6 के अंतर्गत निर्धारित फॉर्म ए.ए.3 के चार प्रतियों में दर्ज किया जाना चाहिए। इनमें से कम से कम एक प्रति के साथ, जहां उत्पाद शुल्क की सीमा, ब्याज की सीमा और लगाया गया जुर्माना, रुपये 5 लाख या उससे कम, 5 लाख रुपये या 50 लाख रुपये तक अथवा 50 लाख रुपये से अधिक है तो क्रमशः 1,000/- रुपये, 5,000/- रुपये अथवा 10,000/- रुपये का निर्धारित जमा शुल्क की प्रति संलग्न करें। निर्धारित शुल्क का भुगतान, संबंधित अपीलीय न्यायाधिकरण की शाखा के सहायक रजिस्टार के नाम से किसी भी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक द्वारा जारी रेखांकित बैंक ड्राफ्ट द्वारा किया जाना चाहिए। संबंधित ड्राफ्ट का भुगतान, बैंक की उस शाखा में होना चाहिए जहां संबंधित अपीलीय न्यायाधिकरण की शाखा स्थित है। स्थगन आदेश (स्टे ऑर्डर) के लिए आवेदन-पत्र के साथ 500/- रुपये का निर्धारित शुल्क जमा करना होगा।

The appeal to the Appellate Tribunal shall be filed in quadruplicate in form EA-3 / as prescribed under Rule 6 of Central Excise (Appeal) Rules, 2001 and shall be accompanied against one which at least should be accompanied by a fee of Rs. 1,000/- Rs.5000/-, Rs.10,000/- where amount of duty demand/interest/penalty/refund is upto 5 Lac., 5 Lac to 50 Lac and above 50 Lac respectively in the form of crossed bank draft in favour of Asst. Registrar of branch of any nominated public sector bank of the place where the bench of any nominated public sector bank of the place where the bench of the Tribunal is situated. Application made for grant of stay shall be accompanied by a fee of Rs. 500/-

(B) अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष अपील, वित्त अधिनियम, 1994 की धारा 86(1) के अंतर्गत सेवाकर अधिनियम, 1994, के नियम 9(1) के तहत निर्धारित फॉर्म S.T.-5 में चार प्रतियों में की जा सकती एवं उसके साथ जिस आदेश के विरुद्ध अपील की गयी हो, उसकी प्रति साथ में संलग्न करें (उनमें से एक प्रति प्रमाणीकृत होनी चाहिए) और इनमें से कम से कम एक प्रति के साथ, जहां सेवाकर की सीमा, ब्याज की सीमा और लगाया गया जुर्माना, रुपये 5 लाख या उससे कम, 5 लाख रुपये या 50 लाख रुपये तक अथवा 50 लाख रुपये से अधिक है तो क्रमशः 1,000/- रुपये, 5,000/- रुपये अथवा 10,000/- रुपये का निर्धारित जमा शुल्क की प्रति संलग्न करें। निर्धारित शुल्क का भुगतान, संबंधित अपीलीय न्यायाधिकरण की शाखा के सहायक रजिस्टार के नाम से किसी भी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक द्वारा जारी रेखांकित बैंक ड्राफ्ट द्वारा किया जाना चाहिए। संबंधित ड्राफ्ट का भुगतान, बैंक की उस शाखा में होना चाहिए जहां संबंधित अपीलीय न्यायाधिकरण की शाखा स्थित है। स्थगन आदेश (स्टे ऑर्डर) के लिए आवेदन-पत्र के साथ 500/- रुपये का निर्धारित शुल्क जमा करना होगा।

The appeal under sub section (1) of Section 86 of the Finance Act, 1994, to the Appellate Tribunal Shall be filed in quadruplicate in Form S.T.5 as prescribed under Rule 9(1) of the Service Tax Rules, 1994, and shall be accompanied by a copy of the order appealed against (one of which shall be certified copy) and should be accompanied by a fee of Rs. 1000/- where the amount of service tax & interest demanded & penalty levied of Rs. 5 Lakhs or less, Rs.5000/- where the amount of service tax & interest demanded & penalty levied is more than five lakhs but not exceeding Rs. Fifty Lakhs, Rs.10,000/- where the amount of service tax & interest demanded & penalty levied is more than fifty Lakhs rupees, in the form of crossed bank draft in favour of the Assistant Registrar of the bench of nominated Public Sector Bank of the place where the bench of Tribunal is situated. / Application made for grant of stay shall be accompanied by a fee of Rs.500/-

- (i) वित्त अधिनियम, 1994 की धारा 86 की उप-धाराओं (2) एवं (2A) के अंतर्गत दर्जे की गयी अपील, सेवाकर विधायकता, 1994, के नियम 9(2) एवं 9(2A) के तहत निर्धारित धारा S.T.-7 में की जा सकेगी एवं उसके साथ आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अथवा आयुक्त (अपील), केन्द्रीय उत्पाद शुल्क द्वारा जारी आदेश की प्रतियाँ संलग्न करे (उनमें से एक प्रति प्रामाणिक होनी चाहिए) और आयुक्त द्वारा सहायक आयुक्त अथवा उपायुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क सेवाकर, को अपीलीय न्यायाधिकरण को आवेदन दर्ज करने का निर्देश देने वाले आदेश की प्रति भी साथ में संलग्न करनी होगी। / The appeal under sub section (2) and (2A) of the section 86 the Finance Act 1994, shall be filed in For ST.7 as prescribed under Rule 9 (2) & 9(2A) of the Service Tax Rules, 1994 and shall be accompanied by a copy of order of Commissioner Central Excise or Commissioner, Central Excise (Appeals) (one of which shall be a certified copy) and copy of the order passed by the Commissioner authorizing the Assistant Commissioner or Deputy Commissioner of Central Excise/ Service Tax to file the appeal before the Appellate Tribunal.
- (ii) सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय प्राधिकरण (सेस्टैट) के प्रति अपील के मामले में केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम 1944 की धारा 35एफ के अंतर्गत, जो की वित्तीय अधिनियम, 1994 की धारा 83 के अंतर्गत सेवाकर को भी लागू की गई है, इस आदेश के प्रति अपीलीय प्राधिकरण में अपील करने वाला उत्पाद शुल्क/सेवा कर मांग के 10 प्रतिशत (10%), जब मांग एवं जुर्माना विवादित है, या जुर्माना, जब केवल जुर्माना विवादित है, का भुगतान किया जाए, बशर्ते कि इस धारा के अंतर्गत जमा कि जमा वाली अपेक्षित देय राशि इस करोंड लण से अधिक न हो।
केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर के अंतर्गत "मांग किए गए शुल्क" में निम्न शामिल है
(i) धारा 11 डी के अंतर्गत रकम
(ii) सेल्वेट जमा की गी गई राशि
(iii) सेल्वेट जमा विधायकता के नियम 6 के अंतर्गत देय रकम
- बशर्ते यह कि इस धारा के अंतर्गत वित्तीय (सं. 2) अधिनियम 2014 के आरंभ से पूर्व किसी अपीलीय प्राधिकारी के समक्ष विचारणीय स्थान नज़ी एवं अपील को लागू नहीं होगी।
For an appeal to be filed before the CESTAT, under Section 35F of the Central Excise Act, 1944 which is also made applicable to Service Tax under Section 83 of the Finance Act, 1994, an appeal against this order shall lie before the Tribunal on payment of 10% of the duty demanded where duty or duty and penalty are in dispute, or penalty, where penalty alone is in dispute, provided the amount of pre-deposit payable would be subject to a ceiling of Rs. 10 Crores.
Under Central Excise and Service Tax, "Duty Demanded" shall include:
(i) amount determined under Section 11 D;
(ii) amount of erroneous Cenvat Credit taken;
(iii) amount payable under Rule 6 of the Cenvat Credit Rules
- provided further that the provisions of this Section shall not apply to the stay application and appeals pending before any appellate authority prior to the commencement of the Finance (No.2) Act, 2014.
- (C) भारत सरकार को पुनरीक्षण आवेदन :
Revision application to Government of India:
इस आदेश की पुनरीक्षण याचिका निम्नलिखित मामलों में, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1994 की धारा 35EE के प्रथम परंतुक के अंतर्गत अवर सचिव, भारत सरकार, पुनरीक्षण आवेदन ईकाई, वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग, चौथी मंजिल, जीवन टॉप भवन, सचट मार्ग, नई दिल्ली-110001, को किया जाना चाहिए। / A revision application lies to the Under Secretary, to the Government of India, Revision Application Unit, Ministry of Finance, Department of Revenue, 4th Floor, Jeevan Deep Building, Parliament Street, New Delhi-110001, under Section 35EE of the CEA 1944 in respect of the following case, governed by first proviso to sub-section (1) of Section-35 ibid:
(i) यदि मांग के किसी नुकसान के मामले में, जहां नुकसान किसी मांग को किसी कारखाने से अड्डा गृह के पारगमन के दौरान या किसी अन्य कारखाने या फिर किसी एक अड्डा गृह से दूसरे अड्डा गृह पारगमन के दौरान, या किसी अड्डा गृह में या अड्डा गृह में मांग के प्रसम्पन के दौरान, किसी कारखाने या किसी अड्डा गृह में मांग के नुकसान के मामले में। / In case of any loss of goods, where the loss occurs in transit from a factory to a warehouse or to another factory or from one warehouse to another during the course of processing of the goods in a warehouse or in storage whether in a factory or in a warehouse
(ii) भारत के बाहर किसी राष्ट्र या क्षेत्र को निर्यात का रहे मांग के विनिर्माण में प्रयुक्त कच्चे मांग पर भरी गई केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के छूट (रिबेट) के मामले में, जो भारत के बाहर किसी राष्ट्र या क्षेत्र को निर्यात की गयी है। / In case of rebate of duty of excise on goods exported to any country or territory outside India of on excisable material used in the manufacture of the goods which are exported to any country or territory outside India.
(iii) यदि उत्पाद शुल्क का भुगतान किए बिना भारत के बाहर, नेपाल या भूटान को मांग निर्यात किया गया है। / In case of goods exported outside India export to Nepal or Bhutan, without payment of duty.
(iv) मुनिश्चित उत्पाद के उत्पादन शुल्क के भुगतान के लिए जो हुट्टी क्रेडिट इस अधिनियम एवं इसके विभिन्न धाराओं के तहत मान्य की गई है और ऐसे आदेश जो आयुक्त (अपील) के द्वारा वित्त अधिनियम (नं. 2), 1998 की धारा 109 के द्वारा नियत की गई तरीक अथवा समावधि पर या बट में परिणत किए गए हैं। / Credit of any duty allowed to be utilized towards payment of excise duty on final products under the provisions of this Act or the Rules made there under such order is passed by the Commissioner (Appeals) on or after, the date appointed under Sec. 109 of the Finance (No.2) Act, 1998.
(v) उपरोक्त आवेदन की दो प्रतियां पर्य संख्या EA-8 में, जो की केन्द्रीय उत्पादन शुल्क (अपील) विधायकता, 2001, के नियम 9 के अंतर्गत विनिर्दिष्ट है, इस आदेश के संघर्ष के 3 माह के अंतर्गत की जानी चाहिए। उपरोक्त आवेदनों के साथ मूल आदेश व अपील आदेश की दो प्रतियां संलग्न की जानी चाहिए। साथ ही केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 की धारा 35-EE के तहत निर्धारित शुल्क की अदायगी के संकष के तौर पर TR-6 की प्रति संलग्न की जानी चाहिए। / The above application shall be made in duplicate in Form No. EA-8 as specified under Rule, 9 of Central Excise (Appeals) Rules, 2001 within 3 months from the date on which the order sought to be appealed against is communicated and shall be accompanied by two copies each of the OIO and Order-in-Appeal. It should also be accompanied by a copy of TR-6 Chaffan evidencing payment of prescribed fee as prescribed under Section 35-EE of CEA, 1944, under Major Head of Account.
(vi) पुनरीक्षण आवेदन के साथ निम्नलिखित निर्धारित शुल्क की अदायगी की जानी चाहिए।
जहां संलग्न रकम एक लाख रुपये या उससे कम हो तो रुपये 200/- का भुगतान किया जाए और यदि संलग्न रकम एक लाख रुपये से ज्यादा हो तो रुपये 1000 -/ का भुगतान किया जाए।
The revision application shall be accompanied by a fee of Rs. 200/- where the amount involved in Rupees One Lac or less and Rs. 1000/- where the amount involved is more than Rupees One Lac.
(D) यदि इस आदेश में कई मूल आदेशों का समावेश है तो प्रत्येक मूल आदेश के लिए शुल्क का भुगतान, उपरोक्त दर से किया जाना चाहिए। इस लक्ष्य के होते हुए भी की शिक्षा नहीं करके से बचने के लिए यथासंभव अपीलीय न्यायाधिकरण को एक अपील या केन्द्रीय सरकार को एक आवेदन किया जाता है। / In case, if the order covers various numbers of order- in Original, fee for each O.I.O. should be paid in the aforesaid manner, not withstanding the fact that the one appeal to the Appellant Tribunal or the one application to the Central Govt. As the case may be, is filled to avoid scriptoria work if excising Rs. 1 lakh fee of Rs. 100/- for each.
(E) यथासंभवित न्यायालय शुल्क अधिनियम, 1975, के अनुसूची-1 के अनुसार मूल आदेश एवं स्थगन आदेश की प्रति पर निर्धारित 6.50 रुपये का न्यायालय शुल्क टिकट जमा होना चाहिए। / One copy of application or O.I.O. as the case may be, and the order of the adjudicating authority shall bear a court fee stamp of Rs. 6.50 as prescribed under Schedule-1 in terms of the Court Fee Act, 1975, as amended.
(F) सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण (कार्य विधि) विधायकता, 1982 में वर्णित एवं अन्य संबंधित मामलों की अभिवर्तित करने वाले नियमों की और भी ध्यान आकर्षित किया जाता है। / Attention is also invited to the rules covering these and other related matters contained in the Customs, Excise and Service Appellate Tribunal (Procedure) Rules, 1982.
(G) उच्च अपीलीय प्राधिकारी को अपील टाकित करने से संबंधित व्यापक, विस्तृत और नवीनतम प्रावणों के लिए, अपीलार्थी विभागीय वेबसाइट www.cbec.gov.in को देख सकते हैं। / For the elaborate, detailed and latest provisions relating to filing of appeal to the higher appellate authority, the appellant may refer to the Departmental website www.cbec.gov.in

55

:: ORDER IN APPEAL ::

M/s. Jetking Ceramics P Ltd, Morbi Halwad Road, Near Captain Cement, At Ghuntu , Morbi, Gujarat (hereinafter referred to as "**the appellant**") have filed the present appeal against the Order-In-Original No. 55/ADC/PV/2015-16 dated 31.03.2016 (hereinafter referred to as '**the impugned order**') passed by the Additional Commissioner, Central Excise, Rajkot (hereinafter referred to as '**the adjudicating authority**'):-

2. Briefly stated the facts of the case are that the appellant are engaged in manufacture of ceramic wall tiles and a search was conducted at factory premises on 13.12.2011 under a Panchnama and an offense case for clandestine clearance was booked against the appellant. Investigation culminated into issuance of show cause notice demanding the central excise duty amounting to Rs.11,12,070/- under Section 11A of the Central Excise Act, 1944 (hereinafter referred to as "the Act"). The said Show Cause Notice was decided by the adjudicating authority vide the impugned order confirming the demand of Rs.11,12,070/- along with interest and penalty under the provisions of the Act.

3. Being aggrieved with the impugned order, the appellants preferred appeal mainly on the following ground:-

- (i) That the demand was confirmed relying the statements of various witnesses and that of director; that merely because some of the witnesses has accepted so called clandestine removal it cannot be said that the appellant has clandestinely cleared the excisable goods.
- (ii) That the demand was confirmed without allowing applicant to represent the case and without considering the request to supply copy of documents relied upon by the department
- (iii) That demand was confirmed without following the principles of natural justice and without considering the fact that in terms

54



of the provisions of Central Excise at least three chances are required to be given for representation, however the adjudicating authority has extended only one chance to present the case.

- (iv) That penalty can not be imposed on the ground as mentioned in the impugned order and grounds mentioned herein above.
- (v) That during the personal hearing on 09.02.2016, advocate of the applicant had appeared and requested to supply copy of relied upon documents; that the same may be verified.

4. Personal hearing was held on 22.03.2017 which was attended by Shri Paresh V Sheth on behalf of the appellants. During the personal hearing he reiterated Grounds of Appeals. He submitted that order has been passed without copies /documents given to them. He requested for denovo since it violated their natural right.

5. I have carefully gone through the facts of the case, the impugned order and the contentions of the appellants both in written and in person. The crux of the appeal before me is that the appellant has not given copies/ documents relied upon and principal of natural justice is violated.

6. I observe that the basic ground of appeal taken by the appellant is that they have not received copies of relied upon documents mentioned in the show cause notice and claimed that show cause notice serviced to them was not attached with these documents. The appellant produced a copy of letter dated 17.08.2015 wherein they filed interim reply to the Show Cause Notice and requested to supply all the documents relied upon as per Annexure B of the show cause notice. Copy of the said letter is reproduced below:-

000021		
V. B. Sheth & Co. (Advocate)		
Central Excise, Customs, Service Tax, Import & Export		
Rajkot Office : 20/200A, D. Bhatta Chowk 1st Floor, Sector Road, Rajkot - 360015 Tel: 079 2331 2402, 2403 Mobile: 98989 12345, 98989 12346		Ahmedabad Office : 8-201, International Square 1st Floor, Sector 4, Rajkot - 360004 Tel: 079 2331 2402, 2403 Mobile: 98989 12345, 98989 12346
Ref: VBSIC.EX/Reply/0012/2015-2016	Date: 17/08/2015	
Before the Additional Commissioner of Central Excise Central Excise Bhavan, 6 th Floor Race Course Ring Road, Rajkot - 360 001		
In the case of	Ms. Joking Ceramic Pvt. Ltd.	
In the matter of	F.No. V 69 (1) / 11 / ADJ / 2013	
Subject	Interim Reply to SCN dated 29/10/15	
Respected Sir,		
We have been handed over the impugned Show Cause Notice for representation before this Honourable Authority. In this connection we are directed to submit as under:		
The captioned Show Cause Notice provides:		
<ol style="list-style-type: none"> 1) Recovery of duty amounting to Rs. 11,12,070/- under the provisions of Section 11 A (A) of the Central Excise Act, 1944 by invoking the extended period of limitation and appropriation of amount of Rs. 10,00,000/- already paid by the Noticee. 2) Recovery of interest at the appropriate rate under the provisions of Section 11 AB / AA of the Central Excise Act, 1944. 3) Imposition of penalty under the provisions of Section 11 AC of the Central Excise Act, 1944 read with Rule 25 of Central Excise Rules 2002. 		
At the outset we would like to submit that the allegations contained in the above are liable to be set aside in as much as the allegations contained are not supported by any documentary evidence. However, before submitting our reply to Show Cause Notice we would like to request this Honourable Authority to supply copy of documents stated to have been enclosed and are stated to have been available for		
000022		
We have been informed by our client that they were served Show Cause Notice without any document stated to have been enclosed and therefore this request. The enclosed herewith are voluminous.		
Thanks		
 V. B. Sheth		

I observe from the impugned order that at para 3.4, adjudicating authority has recorded that all the Panchnama/ statements alongwith supporting documents have been handed over to the noticees. However, adjudicating



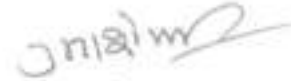
52

authority has not recorded specific findings with regard to appellant's claim vide letter dated 17.08.2015 that show cause notice was serve without any documents and also not rebutted by valid reasons. The appellant has also contended that during the personal hearing before the adjudicating authority, issue of supply of relied upon documents was also raised. Therefore, appellant's claim before me can not be ignored. Therefore, I find strong force in appellant's plea that they are deprived of natural justice in this manner.

7. In view of the above, I am of the considered view that it would not be proper to decide the instant case on merits at this juncture. Therefore, I feel it appropriate to remand the matter back to the adjudicating authority for de novo proceedings who shall pass a speaking order, after providing all the documents relied upon for the purpose of issuance of the show cause notice to the appellant and after following the principles of natural justice.

८. अपीलकर्ताओ द्वारा दर्ज की गई अपीलों का निपटारा उपरोक्त तरीके से किया जाता है।

8. The appeals filed by the appellants stand disposed off in above terms.



(उमा शंकर)

आयुक्त (अपील्स - III)

By R.P.A.D.

To,

1	M/s. Jetking Ceramics P Ltd, Morbi Halwad Road, Near Captain Cement, At Ghuntu , Morbi, Gujarat	मेसर्स जेटकिंग सेरामिक्स प्रा ली मोरबी हलवद रोड केप्टन सीमेंट के बाजू में घुनुटु -मोरबी
---	---	--

Copy submitted to:-

- 1) The Chief Commissioner, Central Excise, Ahmedabad.
- 2) The Principal Commissioner, Customs and Central Excise, Rajkot.
- 3) The Assistant Commissioner, Central Excise & S Tax Division, Morbi.
- 4) The Deputy Commissioner, Systems, Hq, Rajkot.
- 5) The Superintendent, Central Excise Range-V, Morbi.
- 6) PA to Commissioner (Appeals-III), Central Excise, Ahmedabad.
- 7) Guard File

RECORDS OF PERSONAL HEARING BEFORE THE COMMISSIONER
(APPEALS-III), RAJKOT

F. No. : V2/140/RAJ/2016

Date: 22.03.2017

Name of the Appellant /

Name of the Representative(s)

Signature

Respondent

/Shri (in CAPITAL Letters)

M/s/Shri

Jetking Ceramic Pvt. Ltd. 1. Presh V Sheth



Ad-Adv. reiterated the GOA. He submits that -
order has been passed without copies / documents
given to them. He submits for de novo since it
violated their natural right.
A# He is representing all noticees.



Adhakar
22/3/17